सत्रीय कार्य 2014-15 दि. **30/04**/2015

(Assignment 2014-15)

पाठ्यक्रम : एम.बी.ए.

सत्र :- चतुर्थ सत्र

प्रिय छात्र/छात्राओं

यह एम.बी.ए. में चतुर्थ सत्र विशेषज्ञता के सत्रीय कार्य हैं। इसमें निम्नलिखित चारों पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य है।

विपणन		मानव संसाधन	
MMS-013 :	अंतरराष्ट्रीय विपणन	MMS-017 :	औद्योगिक संबंध प्रबंध
MMS-014 :	विज्ञापन प्रबंध	MMS-018 :	मानव संसाधन प्रबंध और विकास
MMS-015 :	उपभोक्ता व्यवहार	MMS-019 :	संगठनात्मक परिवर्तन और विकास
MMS-016 :	ब्रांड प्रबंधन	MMS-020 :	औद्योगिक सन्नियम

वित्त		बैंकिंग एवं बीमा	
MMS-021 :	अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध	MMS-025 :	बैंकिंग के मूलतत्व एवं प्रणालियाँ
MMS-022 :	वित्तीय सेवाओं का प्रबंध	MMS-026 :	बीमा के सिद्धांत एवं व्यवहार
MMS-023 :	कार्यशील पूंजी प्रबंध	MMS-027 :	बीमा एवं जोखिम प्रबंध
MMS-024 :	प्रत्याभूति विश्लेषण एवं पोर्टफोलिओ प्रबंधन	MMS-028 :	बीमा कंपनियों का प्रबंध

उद्देश्य :- सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा- समजा है और उसका विवेचन- विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। दूसरी और सत्रीय कार्यो का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोन विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुन: प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच- विचार कर अपने शब्दों में लिखे। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार- व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्मलिखित बातों को ध्यान से पढ़ीए।

1. अपनी उत्तर- पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर- पुस्तिकाओं की बाईं और पाठयक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखे।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्म प्रकार से शुरू होगा :

पंजीयन संख्या : ....

नामांकन संख्या : ....

नाम : ....

पत्ता : ....

....

....

मो. : ....

ई- मेल : ....

दिनांक : ....

पाठ्यक्रम का नाम : **MBA**

प्रश्न-पत्र का शीर्षक : ....

प्रश्न-पत्र कोड : ....

विद्यार्थी हस्ताक्षर

प्रस्तुत सत्रीय कार्य को स्वयं मेरे द्वारा करने के पश्चात् हस्ताक्षरीत प्रस्तुत किया जा रहा है।

3. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप **(A4)** आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन सभी कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

4. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

5. अपनी हस्तलिपि **(Handwritten)** में उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्मलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है, उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया- प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ।

(पाठ्यक्रम संयोजक)
डॉ. आर. टी. बोरकर
एसोशिएट प्रोफेसर

सत्रीय कार्य भेजने का पता :
निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय
पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स,
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
वर्धा - 442005 (महाराष्ट्र)
फोन/फैक्स नं.- 07152- 247146
ई- मेल : **mgahvdistexam@gmail.com**
वेब साईट : **www.hindivishwa.org**
सत्रीय कार्य प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : **15 जून, 2015**
सत्रीय कार्य विलंब शुल्क रू. 100/- प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : **30 जून, 2015**

<u>एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (विपणन)</u>

<u>(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)</u>

पाठ्यक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-013**
प्रश्नपत्र	:	**अंतरराष्ट्रीय विपणन**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : बाजार चयन प्रक्रिया से आप क्या समझते है ? यह किस प्रकार से अन्तरराष्ट्रीय विपणन को प्रभावित करता है ? विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न २ : अन्तरराष्ट्रीय विपणन क्या है ? यह किस प्रकार वैश्वीकरण के माध्यम से सरल एवं सुगम बनता जा रहा है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) विश्व व्यापार संगठन तथा अन्तरराष्ट्रीय हस्तक्षेप
आ) अन्तरराष्ट्रीय उत्पाद निर्णय

प्रश्न ४ : निर्यात पैकेजिंग में भारतीय पैकेजिंग संस्थान की भूमिका का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ५ : व्यक्तिगत विक्रय से आप क्या समझते है ? व्यक्तिगत विक्रय का अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्या महत्व है?

प्रश्न ६ : अन्तरराष्ट्रीय मेले एवं प्रदर्शनियों के उद्देश्य लिखिए।

एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (विपणन)

(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)

पाठयक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-014**
प्रश्नपत्र	:	**विज्ञापन प्रबंध**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : विज्ञापन में उचित संप्रेषण का क्या महत्व है ? इसकी प्रक्रिया समझाते हुए "विज्ञापन का समाज पर प्रभाव" इस पर सोदाहरण लेख लिखिए।

प्रश्न २ : विभिन्न प्रकार के विज्ञापनों का विस्तार वर्णन करते हुए इसके संवैधानिक, नैतिक एवं सामाजिक पक्ष पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) डगमर उपागम एवं चुनौतियाँ

आ) शीर्षक, प्रतिलिपि, लोगो तथा उदाहरण

प्रश्न ४ : बाह्य विज्ञापन तथा आंतरिक विज्ञापन को विस्तार से समझाते हुए इसमें सम्मिलित सभी तत्वों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न ५ : विज्ञापन प्रभावीकरण से आपका क्या आशय है ? विज्ञापन प्रभावीकरण का मापीकरण क्यों किया जाता है?

प्रश्न ६ : विज्ञापन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने की कौन- कौन सी विधियां हैं ? विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

<u>एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (विपणन)</u>

<u>(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)</u>

पाठयक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-015**
प्रश्नपत्र	:	**उपभोक्ता व्यवहार**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : उपभोक्ता व्यवहार के अध्ययन में उपभोक्ता शोध किस प्रकार अपनी भूमिका का निर्वहन करता है ? उदाहरण सहित समझाइए।

प्रश्न २ : एक कुशल विपणन प्रबंधक के पास विपणन रणनीतियों के कौन- कौन से विकल्प उपलब्ध होते है ? विस्तृत विवेचंना कीजिए।

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) संवेगात्मक बनाम विवेक सम्मत क्रय अभिप्रेरक

आ) संस्कृति संकुल तथा संस्कृति प्रतिमान

प्रश्न ४ : उपभोक्ता मनोवृत्ति से आपका आशय स्पष्ट कीजिए। उपभोक्ता मनोवृत्तियों को किस प्रकार परिवर्तित किया जा सकता है ?

प्रश्न ५ : संस्कृति की अवधारणा स्पष्ट करते हु ए इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ६ : आधुनिक समाज में होने वाले परिवर्तनों के परिप्रेक्ष्य में प्रबंधक की भूमिका विश्लेषित कीजिए।

एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (विपणन)

(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)

पाठ्यक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-016**
प्रश्नपत्र	:	**ब्रांड प्रबंधन**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्‌यालय के एम.बी.ए. पाठ्‌यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : "ब्रांड एकरूपता/समरूपता की एक जटिल कड़ी है" इस कथन की उदाहरण सह विवेचना कीजिए।

प्रश्न २ : ब्रांड क्या है ? ब्रांड के लाभ व हानि का तुलनात्मक वर्णन कीजिए।

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) ब्रांड सोपान श्रृंखला
आ) ब्रांड उत्पादन संबंधता

प्रश्न ४ : ब्रांड तत्वों के चयन के विभिन्न आधारों को समझाइए।

प्रश्न ५ : गुणात्मक विधियों तथा तुलनात्मक विधियों के मध्य अंतर को समझाइए।

प्रश्न ६ : होलिस्टिक विधि को विस्तार से समझाइए।

<u>एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (मानव संसाधन)</u>

<u>(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)</u>

पाठयक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-017**
प्रश्नपत्र	:	**औद्योगिक संबंध प्रबंध**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : "मधुर औद्योगिक संबंध समाज तथा देश के हित में हैं"। इस कथन की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न २ : श्रम संघ का आशय स्पष्ट करते हुए एक सुदृढ़ श्रम संघ के विभिन्न कार्यों तथा तत्वों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) सुदृढ़ श्रम संघ के तत्व
आ) सेवायोजकों के संघटन

प्रश्न ४ : औद्योगिक विवाद से आप क्या समझते हैं ? इसके प्रमुख कारणों की व्याख्या करते हुए इसके रोकथाम हेतु प्रयुक्त विधियों को समझाइए।

प्रश्न ५ : अरनोल्ड ई कैम्पों के अनुसार सामूहिक सौदेबाजी के अंग्राकित सिद्धांत क्या है ? भारत में सामूहिक सौदेबाजी की वर्तमान स्थिति पर निबंध/लेख लिखिए।

प्रश्न ६ : भारत में सहभागिता विचारधारा का विकास एवं प्रगति किस प्रकार हुई है इस पर प्रकाश डालिए।

एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (मानव संसाधन)

(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)

पाठयक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-018**
प्रश्नपत्र	:	**मानव संसाधन प्रबंध और विकास**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : भारतीय एवं विदेशी परिवेश में मानव संसाधन प्रबंध की आवश्यकता का विवेचन करते हुए स्फ्ष्ट कीजिए कि भारतीय उपक्रमों में इसके समक्ष क्या प्रमुख चुनौतियॉ हैं ?

प्रश्न २ : भारत में मानव संसाधन विकास की उभरती पद्धतियों की व्याख्या करते हुए इसके आधुनिक सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) वेतन एवं मजदूरी प्रशिक्षण

ब) कार्य जीवन किस्म

प्रश्न ४ : वर्तमान परिदृश्य में मानव संसाधन प्रबंध के समक्ष प्रस्तुत चुनौतियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ५ : किस्म - चक्र अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। इसके संगठनात्मक ढाँचे के विभिन्न स्तर पर प्रकाश डालें एवं उद्देश्य समझाएँ।

प्रश्न ६ : प्रशिक्षण के काम में ली जाने वाली किन्हीं 05 (पाँच) पद्धतियों का अलोचनात्मक वर्णन कीजिए।

एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (मानव संसाधन)

(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)

पाठयक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-019**
प्रश्नपत्र	:	**संगठनात्मक परिवर्तन और विकास**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : संगठनात्मक परिवर्तन से आपका क्या आशय है? इसकी प्रकृति एवं आधुनिक प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न २ : परिवर्तन के विरोध को कम करने की विधियों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) संगठनात्मक परिवर्तन की प्रकृति

ब) संगठन विकास के उद्देश्य

प्रश्न ४ : "संगठन विकास एक अग्रगमित पारस्परिक क्रिया है"। इसका आशय स्पष्ट करते हुए संगठन विकास के लाभ एवं परिसीमाओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्न ५ : संगठन विकास के क्रिया- शोध मॉडल को समझाइए। इसके तत्व एवं इससे उत्पन्न ज्ञान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ६ : ग्रिड प्रशिक्षण (Grid Training) प्रक्रिया को संक्षिप्त में समझाते हुए प्रबंध विकास एवं संगठन विकास की अवस्थाओं पर

प्रकाश डालिए।

<u>एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (मानव संसाधन)</u>

<u>(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)</u>

पाठयक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-020**
प्रश्नपत्र	:	**औद्योगिक सन्नियम**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : भारत में श्रम सन्नियमों की आवश्यकता बताते हुए उसके सिद्धांतो को स्फ्ट कीजिए।

प्रश्न २ : कारखाना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत स्वास्थ्य संबंधी प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) बाल श्रमिकों के लिए कार्य - समय

ब) औद्योगिक न्यायाधिकरण

प्रश्न ४ : कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 के प्रमुख उद्देश्यों एवं प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्रश्न ५ : सामाजिक सुरक्षा से आप क्या समझते हैं ? सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से कर्मचारी भविष्य निर्वाह निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम 1952 का विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न ६ : प्रशिक्षु अधिनियम 1961 को विस्तार से समझाइए।

<u>एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (वित्त)</u>

<u>(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)</u>

पाठ्यक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-021**
प्रश्नपत्र	:	**अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करे

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध की संकल्पना स्पष्ट करते हुए अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध के उद्देश्य लिखिए।

प्रश्न २ : भुगतान शेष की अवधारणा को परिभाषित कीजिए। भुगतान शेष का महत्व् एवं भुगतान शेष में असंतुलन बताइए।

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) भारत में प्रत्यक्ष विदेशी विनियोग

ब) अग्रिम बाजार में विनिमय दरों का निर्धारण

प्रश्न ४ : पूँजी बजटिंग से आप क्या समझते हैं ? इसकी प्रमुख विधियों को संक्षेप में समझाइए।

प्रश्न ५ : अंतरराष्ट्रीय सिक्युरिटी बाजार के महत्व को उल्लिखित कीजिए।

प्रश्न ६ : अंतरराष्ट्रीय विकास बैंकिग की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

<u>एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (वित्त)</u>

<u>(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)</u>

पाठ्यक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-022**
प्रश्नपत्र	:	**वित्तीय सेवाओं का प्रबंध**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : सेवाओं को कैसे वर्गीकृत किया जा सकता है? उदाहरण देकर समझाइए।

प्रश्न २ : भारत में मूल सेवा व्यापार क्या है और उनका अर्थव्यवस्था के वृद्धि में क्या योगदान है?

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) सेवा की विशेषताएँ

ब) ब्राण्ड के विभिन्न प्रकार

प्रश्न ४ : भारतीय पूँजी बाजार में म्यूचुअल फंड के योगदान का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न ५ : बैंकिंग को परिभाषित करते हुए इसकी प्रमुख सेवाओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न ६ : पट्टा किसे कहते हैं ? इसके प्रमुख प्रकारों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (वित्त)

(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)

पाठयक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-023**
प्रश्नपत्र	:	**कार्यशील पूंजी प्रबंध**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : कार्यशील पूँजी के प्रबंध से आप क्या समझते हैं ? इसके महत्व का वर्णन कीजिए ।

प्रश्न २ : प्रत्यावर्तन अवधि की अवधारणा समझाइए। व्यापारियों में यह रीति लोकप्रिय क्यों है ? इसकी क्या सीमाएँ हैं ?

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) ए.बी.सी. वर्गीकरण

ब) साख प्रमाप

प्रश्न ४ : भारतीय मुद्रा बाजार के संगठन एवं उसकी प्रकृति को समझाइए।

प्रश्न ५ : प्राप्यों के प्रबंध से आपका क्या तात्पर्य है ? प्राप्यों में निवेश के आकार की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

प्रश्न ६ : अनुकुलतम साख नीति क्या है ? यह कैसे निर्धारित की जाती है ? स्पष्ट कीजिए।

एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (वित्त)

(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)

पाठयक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-024**
प्रश्नपत्र	:	**प्रत्याभूति विश्लेषण एवं पोर्टफोलिओ प्रबंधन**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्‌यालय के एम.बी.ए. पाठ्‌यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : सरकारी प्रतिभूतियो से आपका क्या आशय है ? और इसके क्या लाभ हैं ?

प्रश्न २ : प्रभावी बाजार सिद्धांत से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) जोखिम का मापन

ब) पोर्टफोलियो का आशय

प्रश्न ४ : सेबी की भूमिका का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

प्रश्न ५ : मार्कोबिज के जोखिम प्रत्याय मॉडल का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ६ : पोर्टफोलियो निर्माण में उपयुक्त पारंपारिक अवधारणा विधि को स्पष्ट कीजिए। और उसके सभी चरणों का उल्लेख कीजिए।

एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (बैंकिंग एवं बीमा)

(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)

पाठयक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-025**
प्रश्नपत्र	:	**बैंकिंग के मूलतत्व एवं प्रणालियाँ**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : बैंकिंग के उद्भव एवं विकास को समझाते हुए शाखा बैंकिंग, इकाई बैंकिंग का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न २ : भारत की अर्थव्यवस्था में बैंकों का क्या योगदान है? बैंको की अर्थव्यवस्था में क्या भूमिका है इसका वर्णन करें।

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) बैंकिंग परिचालन शोधन गृह

ब) बैंकिंग सेवा प्रबंध

प्रश्न ४ : ई-बैंकिंग से आप क्या समझते हैं? ई- बैंकिंग के लाभ एवं सीमाओं के बारे में संक्षिप्त में लिखिए।

प्रश्न ५ : केंद्रीय बैंक के सिद्धांतो तथा कार्यों की जानकारी दीजिए।

प्रश्न ६ : वाणिज्यिक बैंकिंग की नवीन प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालें।

एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (बैंकिंग एवं बीमा)

(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)

पाठ्यक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-026**
प्रश्नपत्र	:	**बीमा के सिद्धांत एवं व्यवहार**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : भारतीय उद्योग व वाणिज्य में बीमा की क्या भूमिका है? उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न २ : बीमा के अर्थ, प्रक्रिया एवं क्षेत्र को विस्तारित करते हुए बीमा के कार्यों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) बीमा व बाजी ठहराव में अन्तर

ब) बीमा एजेंट

प्रश्न ४ : दोहरा बीमा एवं पुनर्बीमा का आशय स्पष्ट करते हुए इन दोनों के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ५ : सामाजिक एवं ग्रामीण बीमा की संकल्पनाओं को स्पष्ट करते हुए इनके उद्देश्यों को समझाइए।

प्रश्न ६ : जीवन बीमा का अर्थ, प्रकृति एवं आवश्यक तत्वों का वर्णन कीजिए।

एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (बैंकिंग एवं बीमा)

(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)

पाठयक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-027**
प्रश्नपत्र	:	**बीमा एवं जोखिम प्रबंध**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : जोखिम एवं अनिश्चितता का अर्थ समझाते हुए जोखिम के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न २ : बीमा के क्षेत्र में जोखिम प्रबंध सूचना पद्धति का क्या महत्व है ? जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया को स्पष्ट करें।

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) बीमा के लाभ

ब) बीमा की लागत

प्रश्न ४ : 'अपेक्षित हानियों का आकलन' से आपका आशय क्या है? संभावित हानियों का आकलन आप कैसे करेंगे, स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ५ : जोखिम नियंत्रण का अर्थ एवं उसके विभिन्न उपकरणों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ६ : 'जोखिम हस्तांतरण' से आप क्या समझते हैं ? 'जोखिम हस्तांतरण' की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए।

<u>एम.बी.ए. चतुर्थ सत्र (बैंकिंग एवं बीमा)</u>

<u>(सत्रीय कार्य : सत्र - 2014-15)</u>

पाठयक्रम कोड	:	001
प्रश्नपत्र कोड	:	**MMS-028**
प्रश्नपत्र	:	**बीमा कंपनियों का प्रबंध**
सत्रीय कार्य	:	**सत्र जनवरी - जून 2015**
अंतिम तिथि	:	15 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा में प्रस्तुत करें
विलंब शुल्क	:	रू.100/- DD के साथ 30 जून, 2015 तक दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा निदेशालय में प्रस्तुत करें

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर स्वहस्ताक्षर में लिख कर विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. पाठ्यक्रम संयोजक के पास जमा करें ।

प्रश्न १ : बीमा कंपनियों के कार्य एवं संगठन का वर्णन कीजिए।

प्रश्न २ : बिमा कंपनी में वित्तीय नियोजन एवं नियोजन संबंधी रणनीतियाँ किस प्रकार बनायी जाती है?

प्रश्न ३ : निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए -

अ) अभिगोपन का आधार

ब) दलाल

प्रश्न ४ : बीमा कंपनी में "निष्पादन मूल्यांकन" से आपका आशय क्या है ? संपप्ति दायित्व प्रबंध की भूमिका का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ५ : बीमा अभिगोपन का अर्थ तथा उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए बीमा अभिगोपन सिद्धांत स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ६ : जीवन बीमा में दावों का निपटारा कैसे किया जाता है ? इसकी प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।